विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- सह-शैक्षणिक कार्य दिनांक-03/07/2020
वर्ग- तृतीय वर्ग-शिक्षिका— नीतू कुमारी

सुप्रभात बच्चों,
आज की कक्षा में आप एक कहानी पढ़ेंगे। जो कि इस प्रकार है:—

लहर और केकड़ा

एक बार एक केकड़ा समुद्र के किनारे अपनी मस्ती में चला जा रहा था और बीच रास्ते में रुक रुक कर अपने पैरों के निशान देखता उससे बनी डिज़ाइन देखकर ख़ुश होता।
इतने में एक लहर आयी और उसके पैरों के सब निशान मिट गए।
इस पर केकड़े को बहुत गुस्सा आया, उसने लहर से बोला, " ऐ लहर मैं तो तुझे अपना मित्र मानता था, पर ये तूने क्या किया, मेरे बनाए सुंदर पैरों के निशान को ही मिटा दिया। कैसी डिस्ट हो तुम,
तब लहर बोली, "वो देखो पीछे से मछुआरे लोग पैरों के निशान देखकर ही तो केकड़ों को पकड़ रहे हैं.... हे मित्र! तुमको वो पकड़ न लें, बस इसीलिए मैंने निशान मिटा दिए।

सच यही है कि कई बार हम सामने वाले की बातों को समझ नहीं पाते और अपनी सोच के अनुसार उसे ग़लत समझ लेते हैं, जबकि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं।
अतः मन में वैर लाने से बेहतर है कि हम सोच समझकर निष्कर्ष निकालें।

बच्चों, इस कहानी को अपनी उत्तर-पुस्तिका में शुद्ध-शुद्ध एवं सुंदर अक्षरों में लिखें तथा याद करें।